सम्बंधों में मधुरता के लिये...

नये रिश्ते हमें इसलिए अच्छे लगते हैं क्योंकि हम उनकी कमियाँ नहीं जानते, कमज़ोरी को देखते ही सम्बंधों में कटुता आनी शुरू हो जाती है। सम्बंधों में मधुरता के लिए, कमी को नज़र अंदाज़ कर, गुण देखने की ही कोशिश करनी चाहिए।

किसी को अपना बनाओ तो दिल से बनाओ जुबान से नहीं।

कोई भी सम्बन्ध हो उसमें सत्यता होनी चाहिए। मंसा, वाचा, कर्मणा पवित्रता होनी चाहिए। संकल्पों की एक और महत्वपूर्ण बात कि कमियां सबके अंदर होती हैं, लेकिन हम हमेशा उनके गुणों को देखें और शुभ भावना रखें।

स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करें

रहमदिल बनकर खुद को और सामने वालों को क्षमा करना है। किसी जन्म का हिसाब-किताब चुक्तू हो रहा है, इस सच को मानकर खुद के लिए और सामने वालों के लिए रहमदिल बनने से सम्बन्ध में सरलता आएगी। क्षमा की भावना सम्बन्ध में मधुरता लाती है। सामने वाले ने जो भी किया वो उसके स्वभाव संस्कार के वश होकर किया। वो तो परवश है हम तो नहीं। यही भावना सम्बन्धों में दूरियां मिटा देती है।

गुणों को देखें, अवगुणों को नहीं

दूसरों के गुणों को स्वीकार करना भी अपने आप में एक महानता है। हम जितना दूसरों के गुणों का वर्णन करते हैं उतना ही हमारा मन सरल होता जाएगा और सम्बन्धों में भी मधुरता आएगी। हमें दूसरों के अवगुण तथा बुरे कर्म को देखकर स्वयं उत्तेजित या क्रोधान्वित नहीं होना चाहिए। बल्कि सदा अपने इस लक्ष्य को सामने रखना चाहिए कि हमें तो अपना जीवन हीरे तुल्य बनाना है, हमें तो गुण-ग्राहक बनना है, अवगुणों को तो अपने जीवन से निकालना है।

उचित व्यवहार सबके साथ

सम्बन्ध मधुर बने रहने के लिए व्यवहार में उदारता, धैर्यता और त्याग का भाव होना आवश्यक है। दूसरों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना। छोटी-छोटी गलतियों पर किसी का अपमान न कर क्षमा करने की प्रवृति को अपनाना। कुटुम्ब परिवार में भी वाणी का प्रयोग करते समय यह अवश्य ख्याल रखा जाए कि मैं जिससे बात करता हूँ, वह कोई मशीन नहीं है, लोहे का पुतला नहीं है, मनुष्य है, उसके पास दिल है। हर दिल को स्नेह, सहानुभूति, प्रेम और आदर की आवश्यकता होती है। अतः अपनों से बड़ों के साथ विनययुक्त व्यवहार, बराबरी वालों से प्रेम और छोटों के प्रति दया तथा सहानुभूति सम्पन्न आपका व्यवहार जादुई असर करता है।

कहते हैं, संकल्पों से सृष्टि रचती तो अभी परमात्मा यही श्रेष्ठ संकल्प दे रहे हैं कि खुद को व दूसरों को आत्मा समझ कर परमात्मा के बच्चे होने नाते आपस में भाई-भाई का सम्बन्ध रखना है। सबके प्रति आत्मिक दृष्टि, भाई-भाई की दृष्टि, ये भावना हमको बहुत सहनशील करने में, एक दूसरे के प्रति व्यवहार को अच्छा बनाने में मदद करती है।

श्रेष्ठ संकल्पों के साथ क्षमा याचना

उन आत्माओं को इमर्ज करो और उनसे क्षमा याचना करो। मैंने जो कुछ भी आपके साथ पूर्व में किया उसकी मैं आपसे क्षमा याचना करता हूँ। उनके लिए अच्छे संकल्प करने हैं, ये सब मेरे गुड फ्रेन्ड्स हैं। ये मेरी मदद के लिए तैयार हैं। इनके अंदर मेरे लिए प्रेम के फूल उग रहे हैं।

नेपाल-पोखरा। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान गण्डकी प्रदेश के माननीय सभामुख नेत्रनाथ अधिकारी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. परिणीता। साथ हैं महानगरपालिका मेयर मान बहादुर जि.सी., उपमेयर मंजू देवी गरुड़ तथा अन्य।

कादमा-हरियाणा। त्रिमूर्ति शिवजयंती पर आयोजित 'चली शिव की बारात' कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. उर्मिला,माउंट आबू। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण बाढड़ा विधायक सुखविंदर मांढी, पूर्व विधायक कर्नल रघुवीर सिंह चिल्लर, ब्र.कु. वसुधा, ग्रामीण विकास मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश गोयल, ब्र.कु. युगरतन तथा अन्य।

निरसा-झारखंड। शिवजयंती पर शिव संदेश देने हेतु रैली निकालते हुए ब्र.कु. जया, ब्र.कु, शक्ति तथा अन्य भाई-बहनें।

समस्तीपुर-विहार। 83वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. रानी, अपर जिला सत्र न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय, दशरथ मिश्र, सहायक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजीव रंजन, डी.के. श्रीवास्तव, सुधा डेयरी सुबोध राम,अपर आयुक्त,वाणिज्य कर विभाग, बिहार सरकार एस.के. वर्मा, पूर्व योजना पदाधिकारी, अरूणाचल प्रदेश,सविता तथा कृष्ण।

किशनगढ़-रेनवाल(राज.)। राजस्थान वैष्णव रत्न महामण्डलेश्वर 108 भरतदास जी महाराज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुमित्रा तथा ब्र.कु. स्नेह।

आगरा-सिंकदरा। त्रिमूर्ति शिवजयंती के अवसर पर उपस्थित मेंटल हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ. सुधीर जैन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. मधु तथा अन्य।

नवरंगपुर-ओडिशा। शिवजयंती के अवसर पर कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए रमाकांत नायक,पी.डी.डी.आर.डी.ए., ब्र.कु. बहनें तथा अन्य।

मिर्जापुर-उ.प्र.। त्रिमूर्ति शिवजयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. बिन्दु, पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी, मंत्री भानुप्रताप, ब्र.कु. मालवर, ब्र.कु. रामजी तथा अन्य।

फतेहपुर-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के अवसर पर एस.एस.पी. कैलाश सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नीरू। साथ हैं ब्र.कु. विमला।

सादुलपुर-राज.। 83वीं शिवजयंती के अवसर पर आयोजित 'एक शाम भोले के नाम' कार्यक्रम के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. अनिल कौशिक, ब्र.कु. चन्द्रकांता, ब्र.कु. शोभा, गोशाला अध्यक्ष मंगतुराम मोहता, पूर्व जिला शिक्षाधिकारी प्रताप कस्वां, आशादेवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन कौशल पूनिया तथा अन्य।

आगरा-कमलानगर। शिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में शिव को पुष्प अर्पित करते हुए ब्र.कु. शीला तथा विधायक जगन प्रसाद गर्ग।

पटिया-भुवनेश्वर(ओडिशा)। त्रिमूर्ति शिवजयंती के अवसर पर कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु.लीना, ब्र.कु. गुलाब, दुर्गा पूजा कमेटी सेक्रेटरी विक्रम राउत तथा अन्य।